भारत से बाहर क्रांतिकारी गतिविधियाँ (1905-1917)

लन्दन :

इंडियन होमरूल सोसायटी / इंडियन हाउस

- संस्थापक → श्यामजी कृष्ण वर्मा
- स्थापना → 1905 ई.
- अध्यक्ष → अब्दुल्ला सुहरावर्दी

⇒ इसकी स्थापना ब्रिटेन के समाजवादी नेता हिडमैन के सुझाव पर किया गया।

⇒ इस संस्था की मुख्य पत्रिका → इंडियन सोसियोलॉजिस्ट

⇒ प्रमुख सदस्य → वी.डी सावरकर, लाला हरदयाल, मदनलाल ढींगरा।

⇒ प्रमुख उद्देश्य → स्वशासन की प्राप्ति

⇒ अंग्रेजों के दमन नीति के कारण कृष्ण वर्मा लन्दन छोड़कर पेरिस चले गए और अन्ततः जिनेवा।

⇒ इंडियन हाउस का कार्यभार वी॰डी॰ सावरकर ने संभाला।

⇒ Note:- यहीं सावरकर ने '1857 का स्वतंत्रता संग्राम' नामक पुस्तक की रचना किया।

⇒ 1909 में कर्जन वाइली की हत्या मदनलाल ढींगरा द्वारा किये जाने के बाद उसे फाँसी दे दिया गया 13 मार्च 1910 के नासिक षड़यंत्र केस के दौरान उन्हे गिरफ्तार कर काले पानी की सजा दे दिया गया।

फ्रांस :

⇒ भीकाजी रुस्तम कामा ने पेरिस से आतंकवादी गतिविधियों को जारी रखा।

⇒ कृष्ण वर्मा भी 1906 में पेरिस पहुँचा। जिससे यह गतिविधि

Scanned with CamScanner

तेज हो गई। लेकिन प्रथम विश्व युद्ध छिड़ जाने के कारण यह धीरे-धीरे शिथिल पड़ गया।

अमेरिका एवं कनाडा

गदर पार्टी

⇒ संस्थापक → लाला हरदयाल एवं सोहन सिंह भकना
⇒ स्थापना → 1913
⇒ मुख्यालय → अमेरिका के सेनफ्रांसिस्को

⇒ तारकनाथ दास ने वैंकुवर (कनाडा) में 'फ्री हिन्दुस्तान' नामक पत्र निकाला और जी० डी० कुमार ने 'स्वदेश सेवक गृह' नामक संगठन की स्थापना किया और 'स्वदेश सेवक' अखबार निकाला।

⇒ लेकिन 1910 में तारकनाथ दास और G० D० कुमार वैंकुवर छोड़ अमेरिका पहुँचे। और सिएटल में युनाइटेड इंडियन हाउस की स्थापना किए।

⇒ अमेरिका के पोर्टलैंड में 1913 में 'हिन्दुस्तान एसोसियेशन ऑफ दि पैसिफिक कोस्ट' नामक संस्था की स्थापना किया गया।

⇒ इसकी पहली बैठक में → भाई परमानंद, लाला हरदयाल, सोहन सिंह भकना एवं हरिनाम सिंह कुण्डीलाल शामिल हुए।

Note:- इस पार्टी की मुख्य पत्रिका गदर थी अतः गदर पत्रिका के नाम पर ही इस संस्था को गदर पार्टी कर दिया गया।

⇒ यही गदर आन्दोलनकारियों ने युगान्तर आश्रम की स्थापना की।

Scanned with CamScanner

गदर पत्रिका अंग्रेजी, उर्दू, मराठी, हिन्दी, गुजराती, और पंजाबी में छपती थी।

गदर आन्दोलन का कार्यक्रम

⇒ सरकारी अधिकारियों की हत्या करना
⇒ क्रांतिकारी साहित्य का प्रकाशन
⇒ ब्रिटेन के सभी उपनिवेशों में एक एक करके विद्रोह प्रारम्भ करना।
⇒ विदेशों में पदस्थापित भारतीय सेना के मध्य कार्य करना उनमें ब्रिटेन विरोधी भावनाएँ जगाना। हथियार प्राप्त करना
⇒ गदर दल के आन्दोलन में मुख्यतः पंजाब के किसान एवं भूतपूर्व सैनिक थे जो रोजगार की तलाश में कनाडा एवं अमेरिका के विभिन्न भागों में पहुँचे थे।

कामागाटा मारू काण्ड → 27 sep 1914

⇒ इस काण्ड ने पंजाब में एक विस्फोटक स्थिति उत्पन्न कर दी।
⇒ पंजाब के एक क्रांतिकारी बाबा गुरदित सिंह ने एक जापानी जलपोत 'कामागाटामारू' को भाड़े पर लेकर 355 पंजाबी सिक्ख तथा 21 मुसलमानों को सिंगापुर से वैंकूवर ले जा रहा था। (376 व्यक्ति)

उद्देश्य → लोग वहाँ जाकर स्वतंत्र एवं सुखमय जीवन व्यतीत करे तथा बाद में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भाग लें।

⇒ लेकिन कनाडा सरकार ने उन्हें बंदरगाह पर उतरने

Scanned with CamScanner

की अनुमति नहीं दी।

⇒ विवश होकर वह जहाज 27 सितं. 1914 को बजबज (कलकत्ता) बंदरगाह लौट आया।

⇒ इस बंदरगाह पर ~~ब्रिटिश~~ ब्रिटिश सैनिक और यात्रियों के बीच ~~झड़प~~ झड़प हुई। झड़प में 18 लोग मारे गए बाकी बचे लोगो को पंजाब भेज दिया गया।

⇒ यात्रियों के अधिकार की लडाई लड़ने हेतु हुसैन रहीम, बलवंत सिंह, तथा सोहनलाल पाठक की अगुवाई में शोर कमेटी (तटीय समिति) का गठन हुआ।

अन्य जगहों पर क्रांतिकारी गतिविधियाँ

वीरेन्द्रनाथ चट्टोपाध्याय, भूपेन्द्रनाथ दत्त, लाला हरदयाल एवं अन्य लोगों ने 1915 में जर्मन विदेश मंत्रालय के सहयोग से जिम्मेरमैन योजना के तहत 'बर्लिन कमेटी फॉर इंडियन इंडिपेंडेंस' की स्थापना की।

⇒ उद्देश्य :- विदेश में रह रहे भारतीयों को ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संगठित करना तथा अप्रवासी भारतीयों को भारत जाकर क्रांतिकारी गतिविधियों को संचालित करने हेतु प्रेरित करना।

Scanned with CamScanner

मुस्लिम लीग का गठन 1906 ई०

संस्थापक → नवाब सलीमुल्लाह, स्थापना – ढाका, प्रथम अ० आगा खाँ

⇒ बंगाल विभाजन के बाद 1 Oct 1906 को आगा खाँ के नेतृत्व में मुसलमानों का शिष्टमण्डल शिमला में लार्ड मिण्टो से मिला।

⇒ इस शिष्टमण्डल द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में मुसलमानों के लिए एक विशिष्ट स्थिति की माँग की थी जिस पर लार्ड मिण्टो सहमत हो गए।

⇒ ढाका के नवाब सलीमुल्ला के नेतृत्व में 30 Dec 1906 को ढाका में एक सभा का आयोजन किया जिसमें भारतीय मुस्लिम लीग की स्थापना की घोषणा की गई।

⇒ वकार-उल-मुल्क को लीग का अध्यक्ष बनाया गया।

⇒ 1908 में आगा खाँ को मुस्लिम लीग का स्थायी अध्यक्ष बनाया गया

⇒ लीग के संविधान का मसौदा तैयार करने के लिए एक कमेटी का गठन किया गया। और मोहसिन-उल-मुल्क तथा वकार-उल मुल्क को संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया।

⇒ लखनऊ में मुस्लिम लिग का मुख्यालय खोला गया।

⇒ लीग का प्रथम बैठक 1907 में कराची में हुआ।

उद्देश्य :-

- ब्रिटिश सरकार के प्रति मुसलमानों की निष्ठा बढाना
- मुसलमानों के राजनीतिक और अन्य अधिकारों की रक्षा करना।
- लीग के अन्य उद्देश्यों को बिना दुष्प्रभावित किए हुए अन्य सम्प्रदायों के प्रति कटुता की भावना को बढने से रोकना।

⇒ 1908 में लीग के अमृतसर अधिवेशन में मुसलमानों के लिए एक पृथक निर्वाचन मण्डल की माँग की गई जिसे 1909 में मार्ले-मिण्टो सुधार अधिनियम द्वारा प्रदान कर दिया गया।

Scanned with CamScanner